राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

सांसद श्री लाल कृष्ण आडवाणी की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों के संसदीय दलों के नेताओं की बैठक में संसद के बाकी अधिवेशन से पूर्व देश के सामने खड़े मुद्दों की समीक्षा की गई।

एनडीए ने देश के दो संयुक्त शासकों डा. मनमोहन सिंह और श्रीमती सोनिया गांधी के नेतृत्व में उत्पन्न देश के हालात पर चिंता व्यक्त की। इन नेताओं के निरंतर अनुचित रवैये के कारण वर्तमान यूपीए शासन के दौरान देश में अव्यवस्था, कुशासन और अनियंत्रित भ्रष्टाचार देखने को मिला है।

पश्चिम और पूर्व में दोनों तरफ हमारी सीमाओं का उल्लंघन हुआ है, हमारे वित्त मंत्री दीन हीन तरीके से निवेश की चाहत में दुनिया के चक्कर लगा रहे हैं जैसे भारत कोई भिखारी हो; हमारे रक्षामंत्री अपने मंत्रालय का नेतृत्व संभालने में पूरी तरह विफल रहे हैं, जहां पहले से ही भारी भ्रष्टाचार है। घबराहट, अनिश्चिता, दिशाहीनता और नेतृत्व का अभाव वर्तमान प्रधानमंत्री का चरित्र चित्रण करता है, जो आजादी के बाद अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार के मुखिया हैं, ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं और इतना सब होने के बावजूद उनके कान में जूं तक नहीं रेंगी है।

राजधानी दिल्ली में बार–बार जघन्य अपराध हो रहे हैं, इसके बावजूद सरकार बेपरवाह है। क्या इसका कभी अंत होगा?

लगता है इतना ही काफी नहीं था। हाल ही में कोल गेट मामले में सीबीआई के कामकाज मंत्री के स्तर पर हस्तक्षेप किया गया जो उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर तैयार की जा रही रिपोर्ट में सरासर उल्लंघन ह; 2जी घोटाले पर रिपोर्ट के प्रारुप को पहले ही कुछ गिने–चुने पत्रकारों को दे दिया गया और इसके बाद जेपीसी के सदस्यों को दिया गया। यह संसद की महत्ता को कम करने और रिपोर्ट की विश्वसनीयता का उल्लंघन करता है।

अतः एनडीए की यूपीए से मांग है

1. क्यों और कैसे आरोपी ए. राजा को जेपीसी के समक्ष पेश होने की अनुमति नहीं दी गई जबकि उन्होंने और जेपीसी के सदस्यों ने इसके लिए बार–बार अनुरोध किया?
2. इस मामले में निर्णय लेने वाले दो प्रमुख मंत्रियों डा. मनमोहन सिंह और श्री चिदम्बरम को जेपीसी से पूछताछ किये बगैर कैसे बरी कर दिया गया?
3. आखिरकार कैबिनेट का एक मंत्री प्रधानमंत्री को कैसे गुमराह कर सकता है?

4. आखिर सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी कहां पर है?

5. जेपीसी की यह मनगढंत रिपोर्ट वास्तव में किसने तैयार की है–चैयरमैन ने या यूपीए के किसी और शख्स ने?

जिस तरीके से जेपीसी की रिपोर्ट तैयार की गई उसकी एनडीए सामूहिक रुप से और एक स्वर में कड़ी निंदा करती है, इसमें पूर्व प्रधानमंत्री और एनडीए के मौजूदा चैयरमैन श्री अटल बिहारी वाजपेयी पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने जान–बूझकर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया। इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। जेपीसी के रिपोर्ट के प्रारुप में जिस तरह धूर्तता से डा. मनमोहन सिंह को क्लीन चिट दी गई है वह पूरी तरह से विश्वासघात है।

इस तरह की बेईमानी के कृत्य से संसद, जनता और देश के साथ विश्वासघात किया गया है। एनडीए जेपीसी के सभी सदस्यों से इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज करने की अपील करता है।

इस रिपोर्ट में श्री अरुण शौरी और जसवंत सिंह जैसे एनडीए के मंत्रियों पर शर्मनाक आरोप लगाए गए हैं जिन्हें अपनी ईमानदारी के लिए जाना जाता हैं। यूपीए के कहने पर इन दोनों से सीबीआई पहले ही पूछताछ कर चुकी है और उसके हाथ कुछ नहीं लगा।

एनडीए भारत की जनता का आहवान करती है कि वह यूपीए की ऐसी तमाम गल्तियों के खिलाफ खड़ी हो और उसे सत्ता से बेदखल करे।

स्थान : *नई दिल्ली*

तारीख : 20 *अप्रैल* 2013